



Microfinance Institutions Network (MFIN)

Arohan Financial Services Case Study

Coverage Report

22nd February, 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Hindustan	Print
2.	Aaj	Print
3.	Apna Akhwaar	Print
4.	Bharat Times	Print
5.	Daily News Activist	Print
6.	Everyday News	Print
7.	Jansandesh Times	Print
8.	Lucknow News	Print
9.	Rashtriya Prastawana	Print
10.	Rashtriya Sahara	Print
11.	Rashtriya Swaroop	Print
12.	Roz Ki Khaber	Print
13.	Samridhi News	Print
14.	Spast Awaz	Print
15.	Swatantra Bharat	Print
16.	Swatantra Chetna	Print
17.	Tarun Mitra	Print

Publication	Hindustan
Edition	Lucknow
Date	15 th February, 2019
Page No.	02

महिला उद्यमियों को लाभ पहुंचा रहा माइक्रो फाइनेन्स

लखनऊ। कम ब्याज पर मिलने वाले छोटे लोन के सहयोग से महिलाएं छोटे कारोबार में अपना सिक्का जमा रही हैं। इसी कड़ी में माइक्रोफाइनेन्स करने वाली आरोहण फाइनेन्सियल सर्विसेज से लगभग 1.4 मिलियन महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं।

माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। यह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के जरिये दिए जा रहे हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रुपये का है।

Publication	Aaj
Edition	Lucknow
Date	15 th February, 2019
Page No.	09

माइक्रोफाइनांस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की ज़रूरत थी तभी उन्हें आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी माइक्रोफाइनेंस इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज से 20000 रुपये का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई बाज़ार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रिजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेंस एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है।

Publication	Apna Akhwaar
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ, 12 फरवरी (यूएनएस)। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रिजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेन्स कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्तीय संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिब्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेंयर प्रैक्टिस कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई की नियमित रूप से निगरानी करता है।

Publication	Bharat Times
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ (संवाददाता)। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान

ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेन्स कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती

हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्योरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधना मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेयर प्रैक्टिसेज कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई की नियमित रूप से निगरानी करता है।

Publication	Daily News Activist
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	04

महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी। लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था। उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला। उनके क्षेत्र में काम करने वाली चीन बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने 20000 रुपये का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे-धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं।

Publication	Everyday News
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें गण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का गण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान गण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका गण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है।

Publication	Jansandesh Times
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ का है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है।

Publication	Lucknow News
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

Microfinance lends a support to women entrepreneurs

Lucknow : Sunita Jaiswal is a resident of Unchahar in Lucknow, Uttar Pradesh. She wanted start her own business along with her husband, Subhash Jaiswal, but it was difficult for her to gather enough capital as they were facing financial difficulties at home. To fulfil her dream, she was looking for a loan and came to know about Arohan Financial Services, a Non-Banking Finance Company Micro Finance Institution (NBFC-MFI) that works in her area. Sunita borrowed Rs 20000 from Arohan Financial Services and with her husband set up a small medicine shop next to her home. Together, they gradually expanded the shop. Availing the easy EMI facility of its cross-sell services, Sunita and Subhash bought a refrigerator from Arohan's e-Bazaar platform which helped them in storing more medicines, especially the ones that require refrigeration.

In its endeavour to provide easy access to financial

services to women entrepreneurs from low income households, Arohan Financial Services has impacted over 1.4 million lives. The organisation is operational in thirteen states of which ten are low-income states across the central, east and north-east. The Company has 564 branches across these states and a loan portfolio of over to Rs. 2789.86 crore in microfinance and MSME lending.

According to Microfinance Institutions Network, a self-regulatory organisation and an industry association of microfinance industry in India, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Microfinance institutions such as NBFC-MFIs are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India.

NBFC-MFIs are the only regulated financial institutions in the country which give unsecured loans to the

borrowers from low income households. These institutions fill an unfunded credit gap for women who do not have the wherewithal to provide collateral or security of any sort. The aim of NBFC-MFIs is to build sustainable livelihoods. Through providing last mile financial services even to clients in remote rural areas, these institutions promote the Government's financial inclusion agenda.

NBFC-MFIs are an important partner for Prime Minister MUDRA Yojana and almost 50% of the loan disbursements under this programme have been done through microfinance companies. NBFC MFIs are registered with the Reserve Bank of India and are stringently regulated right from the size of loan, the tenure, the rate of interest and a Fair Practices Code (FPC) and an Industry Code of Conduct (CoC) which governs their functioning. The Reserve Bank conducts regular supervision of all NBFC MFIs.

Publication	Rashtriya Prastawana
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	8

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थीं लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की ज़रूरत थी। तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज़ के बारे में पता चला जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज़ से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे-धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई.बाज़ार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रिजरेटर भी खरीदा जिसमें वे

दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज़ कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 27,89,86 करोड़ रु का है। स्व.विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के अनुसार देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी.एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेन्स कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं।

Publication	Rashtriya Sahara
Edition	Lucknow
Date	18 th February, 2019
Page No.	15

आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज का विस्तार

लखनऊ। नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है, जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो ₹2789.86 करोड़ का है।

Publication	Rashtriya Swaroop
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	10

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ (एजेंसी)। सुनीता जयसवाल ऊंचाहर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की ज़रूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाज़ार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रेजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है। स्व-विनियामक संगठन एवं

भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेन्स कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं, एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी ज़रूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेयर प्रैक्टिसेज कोड तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं।

Publication	Roz Ki Khabar
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन.बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई.बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर.पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है।

Publication	Samridhi News
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

संवाददाता। लखनऊ

सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया।

आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेप्रीजेंटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य

के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेन्स इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेन्स कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्योरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेन्स

कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत हैं और ऋण के आकार, अवधि, ब्याज दर और फेयर प्रैक्टिसेज कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती हैं। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई की नियमित रूप से निगरानी करता है।

14 व 15 फरवरी को ओलावृष्टि और बारिश की संभावना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में 14 और 15 फरवरी को ओलावृष्टि और बारिश की संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को प्रदेश में आमतौर पर मौसम खुशक रहेगा। 14 और 15 फरवरी को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ओले गिरने और गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। विभाग के अनुसार 16 फरवरी से मौसम फिर बदलेगा और बारिश हो जायेगी। ओलावृष्टि और बारिश से किसानों की फसलों को फिर नुकसान की आशंका है। गौरतलब है कि बीते दिनों बारिश और ओले गिरने से पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई जगह फसल को काफी नुकसान हुआ था।

Publication	Spast Awaz
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	05

आरोहण दे रहा महिला उद्यमियों को सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। उन्हें ऋण की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज़ के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन.बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज़ से 20 हजार का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई.बाज़ार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रिजरेटर खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं।

Publication	Swatantra Bharat
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	10

देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत: माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस

नई दिल्ली। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के अनुसार देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी

रखने या सिक्कुरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार ए रायबरेलीए उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी। तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण

फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रिजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 174 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं।

Publication	Swatantra Chetna
Edition	Lucknow
Date	13 th February, 2019
Page No.	11

हौसले की उड़ान पर महिलाएं

चेतना संवाददाता

लखनऊ। कहावत है कि उड़ान पंखों से नहीं हौसले से होती है। इसका एक उदाहरण और है। इसमें सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली निवासी आर्थिक रूप से कमजोर हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी नहीं थी। अपने सपनों को साकार करने के लिए वह जुटी रही। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे-धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म को आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा और अपने काम पर ध्यान दिया। आज उनका परिवार अपने पैरों पर खड़ा है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन नहीं होते हैं। मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। यह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं।

Publication	Tarun Mitra
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	14

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा सहयोग

लखनऊ। सुनीता जयसवाल ऊंचाहार, रायबरेली, उत्तरप्रदेश की निवासी हैं। वे अपने पति सुभाष जयसवाल के साथ मिलकर अपना कारोबार शुरू करना चाहती थी, लेकिन उनके लिए पूंजी जुटाना मुश्किल था क्योंकि उनका परिवार आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्हें ऋण लेने की जरूरत थी, तभी उन्हें आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज के बारे में पता चला, जो उनके क्षेत्र में काम करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेन्स कंपनी माइक्रो फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन है। सुनीता ने आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज से 20,000 रु का ऋण लिया और अपने पति के साथ मिलकर अपने घर के पास ही दवाइयों की छोटी सी दुकान खोली। धीरे

धीरे उन्होंने अपना कारोबार बढ़ा लिया। आरोहण ई-बाजार प्लेटफॉर्म की आसान ईएमआई सुविधा का इस्तेमाल कर उन्होंने एक रेफ्रीजरेटर भी खरीदा, जिसमें वे दवाएं स्टोर कर सकते हैं। आरोहण फाइनेन्शियल सर्विसेज कम आय वर्ग की महिलाओं को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर 1.4 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुका है। यह संगठन तेरह राज्यों में परिचालन कर रहा है जिनमें से 10 मध्य, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में कम आय वाले राज्य के हैं। कंपनी की इन राज्यों में 564 शाखाएं हैं और यह माइक्रोफाइनेन्स एवं एमएसएमई में इसका ऋण पोर्टफोलियो 2789.86 करोड़ रु का है।